

# अनाथ बालबालिकाको संरक्षण सम्बन्धी एक अध्ययन

(नमस्ते सामुदायिक फाउण्डेशन, कास्की, पोखरा-६, बैदाम)

त्रिभुवन विश्व विद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत  
समाजशास्त्र विषयमा स्नातकोत्तर तहको आंशिक आवश्यकता पूरा  
गर्ने प्रयोजनको लागि समाजशास्त्र/मानवशास्त्र विभाग  
पृथ्वी नारायण क्याम्पस पोखरामा प्रस्तुत

## शोध पत्र

### शोधार्थी

प्रेमप्रकाश शर्मा गौतम

रोल नं. १८१/०५९

परीक्षा रोल नं. ४०

रजिस्ट्रेशन नं. ४३९४-७९

त्रिभुवन विश्व विद्यालय  
पृथ्वी नारायण क्याम्पस, पोखरा  
२०७९ चैत्र

## सिफारिस पत्र

त्रिभुवन विश्व विद्यालय, पृथ्वी नारायण बहुमुखी क्याम्पस, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय समाजशास्त्र/मानवशास्त्र विभाग अन्तर्गत समाजशास्त्र विषयमा स्नातकोत्तर तहको आंशिक आवश्यकता परिपूर्तिका निम्नि शोधार्थी छात्र प्रेमप्रकाश शर्मा गौतमद्वारा “अनाथ बालबालिकाको संरक्षण सम्बन्धी एक अध्ययन” शीर्षकमा नमस्ते सामुदायिक फाउण्डेसन, पोखरा-६, बैदाम, कास्कीमा अधारित रही तयार पारिएको शोधपत्र प्रति म सन्तुष्ट छु । प्रस्तुत शोधपत्रलाई आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सिफारिस गर्दछु ।

.....

(तेजप्रसाद सुवेदी)

### शोध निर्देशक

शिक्षण सहायक

समाजशास्त्र/मानवशास्त्र विभाग

पृथ्वी नारायण बहुमुखी क्याम्पस, पोखरा

मिति: २०७१/१२/

मार्च , २०१५

## **स्वीकृति पत्र**

त्रिभुवन विश्व विद्यालय, पृथ्वी नारायण बहुमुखी क्याम्पस, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय समाजशास्त्र/मानवशास्त्र विभाग अन्तर्गत, समाजशास्त्र विषयमा स्नातकोत्तर तहको आंशिक आवश्यकता परिपूर्तिको निमित्त विद्यार्थी प्रेमप्रकाश शर्मा गौतमले यस विभागमा प्रस्तुत गर्नुभएको “अनाथ बालबालिकाको संरक्षण सम्बन्धी एक अध्ययन” शीर्षकमा नमस्ते सामुदायिक फाउण्डेसन, पोखरा -६, बैदाम, कास्कीमा आधारित रही तयार पारिएको शोधपत्रलाई मूल्यांकन समितिबाट स्नातकोत्तर उपाधिका लागि उचित ठहराइएकोले स्वीकृति प्रदान गरिएको छ ।

### **मूल्यांकन समिति**

.....  
(तेजप्रसाद सुवेदी)

शोध निर्देशक

.....  
प्रा.डा.दिलबहादुर क्षेत्री  
बाह्य परीक्षक

.....  
(शान्ति भुसाल)  
विभागीय प्रमुख  
मिति :- २०७१ चैत्र  
मार्च , २०१५

## कृतज्ञताज्ञापन

यस शोध पत्र त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्काय, पृथ्वी नारायण क्याम्पस समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र विभाग अन्तर्गत स्नातकोत्तर तह द्वितीय वर्षको आंशिक आवश्यकता पूरा गर्नको निमित्त “अनाथ बालबालिकाको संरक्षण सम्बन्धी एक अध्ययन” शीर्षक अन्तर्गत नमस्ते सामुदायिक फाउण्डेसन, बैदाम, पोखरा -६, कास्कीले बालबालिकाको निमित्त गरेका प्रशसनीय कार्यहरूको अध्ययन गरिएको छ ।

शोध अध्ययनको क्रममा मलाई कुशल नेतृत्व प्रदान गर्नुहुने मेरो शोधपत्र निर्देशक आदरणीय गुरु तेजप्रसाद सुवेदीप्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु । यस अध्ययनमा विशेष अभिभावकत्व प्रदान गर्नुहुने विभागीय प्रमुख आदरणीय मेडम शान्ति भुषाल ज्यूप्रति कृतज्ञता व्यक्त गर्दछु । साथै सम्पूर्ण समाजशास्त्र/मानवशास्त्र विभागका आदरणीय गुरुहरूप्रति पनि कृतज्ञता व्यक्त गर्दछु ।

लेखन कार्य शिलशिलामा तथ्याङ्क सङ्कलन गर्न सहयोग, सुझाव एवम् सल्लाह दिनुहुने नमस्ते सामुदायिक फाउण्डेसनका संस्थापक भिष्मराज पौडेल, व्यवस्थापक मानसिङ्ग चौधरी एवम् सम्पूर्ण कर्मचारीज्यूप्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु । तथ्याङ्क सङ्कलनको क्रममा मैले सोधेका प्रश्नहरूको जवाफ हसिलो मुहारबाट व्यक्त गरिदिने उत्तरदाता भाइबैनीहरूप्रति धन्यवाद व्यक्त गर्दछु साथै द्वितीय तथ्याङ्कको रूपमा तथ्याङ्क उपलब्ध गराउनु हुने विभिन्न संघसंस्था एवम् व्यक्ति विशेषप्रति पनि विशेष धन्यवाद दिन चाहन्छु ।

शोध अध्ययनको लागि समय छुट्ट्याई प्रत्येक पल-पलमा उर्जा एवम् हौसला प्रदानगरी प्रेरणादायी भुमिका निर्वाह गर्ने मेरो जिवन सरिनी बेगमदेवी गौतम, छोरा/बुहारीहरू विश्वप्रकाश/उत्साह गौतम, दिव्य प्रकाश/रीता गौतम एवम् छोरी निलम गौतम (पौडेल) प्रति गौरवान्वित छु । मेरा कोरा पाण्डुलिपीलाई कम्प्यूटर टइकन गरी शोध अध्ययनलाई अन्तिम स्वरूप प्रदान गर्न सहयोग पुऱ्याउने “क्विक कम्प्यूटर सर्भिस एण्ड फोटोकपि हाउस” पोखरा-१, बगरप्रति धन्यवाद व्यक्त गर्दछु ।

मिति: २०७९ चैत्र १० गते

प्रेमप्रकाश शर्मा गौतम

## विषयसूची

|  |              |
|--|--------------|
| सिफारिस पत्र                               | <i>i</i>     |
| स्वीकृति पत्र                              | <i>ii</i>    |
| कृतज्ञताज्ञापन                             | <i>iii</i>   |
| विषयसूची                                   | <i>iv</i>    |
| तालिका सूचि                                | <i>viii</i>  |
| चित्र सूचि                                 | <i>ix</i>    |
| शोध सार                                    | <i>x</i>     |
|  | पेज नं.      |
| <b>अध्याय - एक : परिचय</b>                 | <b>१-८</b>   |
| १.१ अध्ययनको पृष्ठभूमि                     | १            |
| १.२ समस्याको कथन                           | ४            |
| १.३ अध्ययनको उद्देश्य                      | ६            |
| १.४ अध्ययनको महत्व                         | ६            |
| १.५ अध्ययनको सीमा                          | ७            |
| १.६ मुख्य शब्दावलीहरूको परिभाषा            | ७            |
| १.७ सझगठनात्मक ढाँचा                       | ८            |
| <b>अध्याय - दुई : साहित्यको पुनरावलोकन</b> | <b>९-२६</b>  |
| २.१ बालबालिका सम्बन्धी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि  | ९            |
| २.२ सैद्धान्तिक समीक्षा                    | २२           |
| २.३ पूर्व अध्ययनहरूको समीक्षा              | २५           |
| २.४ अवधारणागत खाका                         | २६           |
| <b>अध्याय - तिन : अनुसन्धान विधि</b>       | <b>२७-२९</b> |
| ३.१ अध्ययन क्षेत्र छनौटको औचित्य           | २७           |
| ३.२ अनुसन्धान ढाँचा                        | २७           |
| ३.३ समग्र र नमूना छनौट                     | २७           |

|  |  |              |
|--|--|--------------|
| ३.४  | तथ्याङ्कको स्रोत एवम् प्रकृति                | २८           |
| ३.५  | प्राथमिक तथ्याङ्क सङ्कलन विधि                | २८           |
| ३.५.१  | प्रश्नावली अनुसूचि                           | २८           |
| ३.५.२  | अवलोकन                                       | २९           |
| ३.५.३  | मुख्य जानकार व्यक्तिहरूसँग छलफल              | २९           |
| ३.६  | तथ्याङ्कको विश्लेषण र प्रस्तुतीकरण           | २९           |
| <b>अध्याय - चार : अध्ययन क्षेत्रको परिचय एवम् अनाथ बालबालिकाको जनसाङ्खिकीय विवरण</b> |  | <b>३०-४०</b> |
| ४.१  | अध्ययन क्षेत्रको परिचय                       | ३०           |
| ४.१.१  | बालगृहमा संरक्षित बालबालिकाको अवस्था         | ३०           |
| ४.१.२  | बालगृहमा गरिने कार्यक्रमहरू                  | ३२           |
| ४.२  | संरक्षित बालबालिकाको सामाजिक जनसाङ्खिक विवरण | ३७           |
| ४.२.१  | लिङ्ग  | ३७           |
| ४.२.२  | धर्म   | ३८           |
| ४.२.३  | जातजातियता                                   | ३८           |
| ४.२.४  | कक्षा  | ३९           |
| <b>अध्याय - पाँच : आश्रित बालबालिकाहरू अनाथ हुनुको सामाजिक पृष्ठभूमि</b>             |  | <b>४१-४७</b> |
| ५.१  | बालबालिकाहरू अनाथ हुनुको सामाजिक पृष्ठभूमि   | ४१           |
| ५.१.१  | बाबुआमा/अभिभावक                              | ४१           |
| ५.१.२  | आमा नभएको कारण                               | ४२           |
| ५.१.३  | बाबा नभएको कारण                              | ४२           |
| ५.१.४  | पारिवारिक आर्थिक स्थिति                      | ४३           |
| ५.१.५  | बाबाको पेशा                                  | ४४           |
| ५.१.६  | आमाको पेशा                                   | ४५           |
| ५.१.७  | बालबालिकाहरू आफ्नो परिवार छाड्नको कारण       | ४६           |
| <b>अध्याय - छ : बालबालिकाहरू बालगृह आउनु पूर्व र पश्चात्‌को अवस्था</b>               |  | <b>४८-६६</b> |
| ६.१  | परिवारबाट अलग भए पश्चात् आश्रय लिएको स्थान   | ४८           |

|        |   |    |
|--------|---|----|
| ६.२    | बालगृह आउनु पूर्वको क्रियाकलाप                                  | ४९ |
| ६.३    | बालबालिकालाई बालगृहसम्म लाने सहयोगीहरू                          | ५० |
| ६.४    | बालगृहमा बालबालिकालाई प्रदान गरिने सुविधाहरू                    | ५१ |
| ६.५    | आश्रित बालबालिकाहरू पढ्ने स्कुलको प्रकृति                       | ५२ |
| ६.६    | पढाईका साथसाथै अन्य अतिरिक्त क्रियाकलापहरू                      | ५२ |
| ६.७    | आश्रित बालबालिकाहरूको भविष्यको इच्छा बालगृहसमक्ष प्रतिक्रिया    | ५३ |
| ६.८    | बालबालिकाहरू आफै घरपरिवारमा पुर्नस्थापनाको चाहना                | ५३ |
| ६.९    | हालसम्म पुर्नस्थापित बालबालिकाको विवरण                          | ५४ |
| ६.१०   | संरक्षित बालबालिकाको बालगृह एवम् सरकारलाई सुझाव                 | ५४ |
| ६.११   | अबलोकनबाट प्राप्त तथ्याङ्कहरू                                   | ५५ |
| ६.११.१ | बालगृहको बाहिरी वस्तुस्थिति                                     | ५५ |
| ६.११.२ | शिक्षा  | ५५ |
| ६.११.३ | स्वास्थ्य/मनोरञ्जन/खेलकुद                                       | ५५ |
| ६.११.४ | प्रतिभा प्रस्फुटन कार्यक्रम एवम् बाहिरी संघसंस्थामा सहभागिता    | ५५ |
| ६.११.५ | पकेट मनि वितरण एवम् सामाजिकीकरण                                 | ५६ |
| ६.१२   | मुख्य जानकार व्यक्तिसँगको छलफल                                  | ५७ |
| ६.१२.१ | संस्थाको परिचय र उद्देश्य                                       | ५७ |
| ६.१२.२ | अनाथ बालबालिकाहरूप्रति संस्थाको धारणा                           | ५८ |
| ६.१२.३ | अनाथ बालबालिका बालगृहमा प्रवेश गर्ने प्रावधान                   | ५८ |
| ६.१२.४ | आश्रित बालबालिकाको पारिवारिक पृष्ठभूमि                          | ५८ |
| ६.१२.५ | बालबालिकाहरू अनाथ हुनुको कारण                                   | ५९ |
| ६.१२.६ | बालबालिकाको निमित संस्थाको योगदान                               | ५९ |
| ६.१२.७ | संरक्षित बालबालिकाको खर्चको स्रोत                               | ५९ |
| ६.१२.८ | आश्रित बालबालिकालाई पुर्नस्थापित गर्ने                          | ६० |
| ६.१२.९ | बाल संरक्षण जस्तो जिम्मेवारी कार्यमा संलग्नतामा चासो एवम् सुझाव | ६० |
| ६.१३   | संरक्षित बालबालिकाहरू पुर्नस्थापित पश्चात् संलग्नता             | ६१ |
| ६.१३.१ | पर्नस्थापित बालबालिकाको विवरण                                   | ६१ |
| ६.१३.२ | पुर्नस्थापित कक्षा ५-१० सम्म पढ्ने बालबालिकाको विवरण            | ६२ |

|  |               |
|--|---------------|
| ६.१३.३ पुर्नस्थापित एस.एल.सी. पास गरेका बालालिकाहरूको संलग्नता | ६४            |
| ६.१३.४ पुर्नस्थापित +२ पास गरेका बालबालिकाहरूको संलग्नता       | ६५            |
| ६.१३.५ पुर्नस्थापित व्याचलर पास गरेका बालबालिकाहरूको संलग्नता  | ६६            |
| <b>अध्याय - सात : सारांश, निष्कर्ष एवम् सुझाव</b>              | <b>६७-७०</b>  |
| ७.१ सारांश   | ६७            |
| ७.२ निष्कर्ष   | ७१            |
| ७.३ सुझावहरू   | ७२            |
| <b>सन्दर्भसामाग्रीहरू</b>                                      | <b>७३-७५</b>  |
| <b>अनुसूचिहरू</b>  | <b>I-VIII</b> |
| अनुसूचि : एक : अन्तर्वार्ता अनुसूचि                            | I             |
| अनुसूचि - दुई : मुख्य सूचनादाताहरूको लागि प्रश्नावली           | IV            |
| अनुसूचि - तीन : अध्ययन क्षेत्रको नक्सा                         | V             |
| अनुसूचि -चार : अध्ययन क्षेत्रमा लिइएका तस्विर (फोटो)हरू        | VI            |

## तालिका सूचि

|   | पेज नं. |
|---|---------|
| तालिका ४.१ : उमेर अनुसार संरक्षित बालबालिका                                     | ३१      |
| तालिका ४.२: कक्षा अनुसार सहयोग प्राप्त गरिरहेका बालबालिका                       | ३२      |
| तालिका ४.३: जिल्ला अनुसार संरक्षण पाएका बालबालिकाहरू                            | ३२      |
| तालिका ४.४: वर्ष अनुसार निरन्तर छात्रवृत्ति सहयोग प्राप्त बालबालिका             | ३४      |
| तालिका ४.५ कक्षा अनुसार निरन्तर सहयोग प्राप्त गरिरहेका बालबालिकाको              | ३५      |
| तालिका ४.६ उत्तरदाताको लिङ्ग अनुसार विवरण                                       | ३७      |
| तालिका ४.७ उत्तरदाता बालबालिकाको धर्म अनुसार विवरण                              | ३८      |
| तालिका ४.८ उत्तरदाता बालबालिकाको जात अनुसार विवरण                               | ३९      |
| तालिका ४.९ उत्तरदाता बालबालिकाको कक्षा अनुसार विवरण                             | ४०      |
| तालिका ५.१: उत्तरदाता बालबालिकाका बाबुआमा/अभिभावकको स्थिति                      | ४१      |
| तालिका ५.२ : उत्तरदाता बालबालिकाका आमा नहुनुको कारण                             | ४२      |
| तालिका ५.३: उत्तरदाताको बालबालिकाका बाबा नहुनुको कारण                           | ४३      |
| तालिका ५.४: उत्तरदाताको पारिवारिक आर्थिक स्थिति                                 | ४४      |
| तालिका ५.५: उत्तरदाता बालबालिकाका बाबाको पेशा                                   | ४४      |
| तालिका ५.६: उत्तरदाता बालबालिकाका आमाको पेशा                                    | ४५      |
| तालिका ५.७: बालबालिकाहरू आफ्नो घरपरिवार छाड्नुको कारण                           | ४६      |
| तालिका ६.१ : परिवारबाट अलग पश्चात् आश्रय लिएको स्थान                            | ४८      |
| तालिका ६.२ : बालगृह पूर्वको क्रियाकलाप  | ४९      |
| तालिका ६.३ : बालगृह लैजानको निम्नि सहयोगीहरू                                    | ५०      |
| तालिका ६.४: बालगृहमा पाएको सुविधा   | ५१      |
| तालिका ६.५: संरक्षित गृहमा बालबालिकाहरूका निम्नि अतिरिक्त कार्य                 | ५२      |
| तालिका ६.६ : संरक्षित बालबालिकाहरू कक्षा अनुसार पुनर्स्थापित विवरण              | ५४      |
| तालिका ६.७ : संरक्षित बालबालिकाहरू कक्षा अनुसार पुनरस्थापित विवरण               | ६१      |
| तालिका ६.८ : कक्षा ५-१० सम्मका संरक्षित बालबालिकाहरू पुनरस्थापित पछिको संलग्नता | ६३      |
| तालिका ६.९ : संरक्षित बालबालिकाहरू कक्षा अनुसार पुनरस्थापित विवरण               | ६४      |
| तालिका ६.१० : पुर्नस्थापित +२ पास गरेका बालबालिकाहरूको संलग्नता                 | ६५      |
| तालिका ६.११ : पुर्नस्थापित स्नातक तह पास गरेका बालबालिकाहरूको संलग्नता          | ६६      |

## चित्र सूचि

पेज नं.

चित्र २.१ : अवधारणागत खाका

२६

## शोध सार

बालबालिका भन्नाले त्यस्तो उमेर समुहका व्यक्तिहरु हुन् जुन मानवीय जीवनको सुरुवातको अवस्था जसको प्रत्यक्ष रूपमा उसको बाबुआमासँग सम्बन्ध रहेको हुन्छ । ऊ बयस्क नभइन्जेलसम्म उसको सम्पूर्ण रेखदेख, जिम्मेवारी उसका बाबुआमा अर्थात् नजिकका नातेदार हुन्छन् । विश्व स्वास्थ्य संइठनका अनुसार १८ वर्ष मुनिकालाई बालबालिकाको संज्ञा दिएता पनि नेपाल सरकारले १६ वर्ष भन्दा कम उमेरकालाई बालबालिकाको संज्ञा दिएको छ, तर अन्य राजनैतिक, वैवाहिक र प्रशासनिक कार्यवाहिमा भने १८ वर्ष भन्दा मुनिका उमेर समुहलाई बालबालिका भनि तोकेको पाइन्छ । त्यस्तैगरी “बालबालिकाको अधिकार सम्बन्धी सरोकार” नामक संस्थाले दिएको परिभाषा अनुसार अठार वर्ष भन्दा मुनिका मानवीय व्यवहार देखाउने बालबालिकाको समुह जो शारीरिक, मानसिक एवम् मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोणबाट स्वतन्त्र भएका र संरक्षित भएका बालबालिकाहरूलाई जनाउँदछ । “बालबालिकाको बाँचन पाउने नैसर्गिक अधिकार” भन्ने उद्घोसका साथ हाल विश्वमा बालबालिकाको हक अधिकार र संरक्षणको निम्नि जुधारु रूपले आवाज बुलन्द गरे तापनि विकसित मुलुकहरूमा प्रायः बच्चा जन्माउने चाहना नराख्ने भएकाले, बच्चा भइहाले पनि बालबालिकालाई स्तनपानको अवस्थादेखि बयस्क अवस्थासम्म सही लालनपालन नहुँदा बढ्दो आधुनिकता, व्यस्थता, सानो सानो टकरावले सम्बन्ध विच्छेद जस्ता कारण बाबुआमा बालबालिकाहरूप्रति पूर्ण समर्पण भएको पाइदैन । धेरैजसो मुलुकहरूमा त १८ वर्ष नपुगिन्जेलसम्म उनीहरूको सम्पूर्ण जिम्मेवारी सरकारले नै व्यहोर्ने गरेको पाइन्छ । कतिपय देशहरूमा अन्य विविध कारणले गर्दा बालबालिकाहरू अलपत्र हुन पुरेका छन् । तर अल्पविकसित, विकासोन्मुख मुलकका भने अति गिरिवीपन, राजनीतिक अस्थिरता, द्वन्दपीडित, भैपरी विपत्ती आदी कारणहरूबाट नै बढी बालबालिकाहरू असंरक्षित जीवन व्यतित गर्न बाध्य छन् । यिनै असंरक्षित बालबालिकामा आधारित रही यस्ता असंरक्षित बालबच्चाहरूलाई बालगृहमा संरक्षण दिन किन आवश्यक पन्यो? कस्तो-कस्तो समस्याका बाबजुत बच्चाहरू बालगृहमा आइपुगछन्? के कारणले गर्दा यस्ता असंरक्षित बालबच्चाहरूको वृद्धि दर बढ्दै गएको छ? बालबालिकाको बालगृह आउनु पूर्व र पश्चात् को अवस्था कस्तो रहेको छ? भन्ने मुख्य समस्याहरूलाई केलाउनको निम्नि नमस्ते सामुदायिक प्रतिष्ठान अन्तर्गत ओन्नि बालगृह, पार्दी विरौटा र नमस्ते बालगृह जरेवरमा संरक्षित कुल ५५ जना बालालिकामा आधारित रही मुख्य रूपमा आश्रित बालबालिका अनाथ हुनुको सामाजिक पृष्ठभूमि पत्ता

लगाउनु र बालबालिकाहरू सो गृह आउनु पूर्व एवम् पश्चात्को अवस्था पहिचान गर्नु उद्देश्य लिइ यो अध्ययन गरिएको छ । मौलिकतामा आधारित रही वर्णनात्मक अनुसन्धान ढाँचा प्रयोग गरिएको यस शोध अध्ययनमा लक्षित उद्देश्य हासिल गर्नको निम्नि तथ्याङ्को प्रकृति अनुरूप प्राथमिक तथ्याङ्कका विधिहरू मध्येका प्रमुख विधि अन्तवार्ता अनुसूचि र गौण रूपमा अवलोकन विधि, मुख्य जानकार व्यक्तिसँग छलफल गरी उद्देश्यमूलक नमूना छनोट विधिबाट छनोट गरिएको अध्ययन क्षेत्रमा अनुसन्धानकर्ता प्रत्यक्ष उपस्थित भई समग्र अध्ययन नमूना छनोट विधिबाट अध्ययन गरी तथ्याङ्क सङ्कलन गरिएको छ । यसरी सङ्कलित कोरा तथ्याङ्कलाई वैज्ञानिक रूपबाट व्यवस्थित गरी तालिकीकरण, विस्तृतीकरण गरी देखाइएको छ । तथ्यहरूको प्रकृति हेरी गुणात्मक तथ्यहरूलाई पनि आवश्यक मात्रामा तथ्यपरक बनाइ विश्लेषण गरिएको छ ।

यस शोध अध्ययनमा अनाथ, बेसहारा जनजाति/दलित समुदायका हिन्दुधर्म मान्ने बालक भन्दा बालबालिकाहरूको संख्या बढी हुनाले अभै पनि समाजमा छोरीहरूमाथि बढी हिंसापूर्ण व्यवहार गरिने तथ्याङ्कबाट थाहा हुन आउँछ । बालबालिकाहरू प्रायगरी असंरक्षित हुने भनेको मुख्य रूपमा आर्थिक स्थिति साहै नै कमजोर त्यसमा पनि बाबुआमा नहुँदा प्रत्यक्ष प्रभाव साना अबोला बालबालिकामा पर्न गई जिम्मेवारीपूर्ण बहन गर्ने कोहीकै नहुने हुँदा बाबुआमाको मायाजस्तो अन्यत्रको नहुने हुनाले पनि बालबालिकाहरू असंरक्षित बनेको यस अध्ययनबाट थाहा हुन्छ । त्यस्तैगरी अन्य कारणमा सौतेनी बाबा/आमाको हिंसा, द्वन्द्व पीडित, दैविक प्रकोप, राजनीतिक अस्थिरता, बाबुआमाले कुकार्य गर्दा बच्चामा पर्ने संवेगात्मक असर पर्ने हुँदा बालबालिकाहरू अनाथ/बेसहारा बन्न पुगदछन् ।

घरपरिवारबाट अलग एवम् विपत्तिबाट आफ्ना परिवार गुमाए पश्चात् बालबालिकाहरू सबैभन्दा बढी सङ्कमा नै जान बाध्य हुने यस अध्ययनले देखाउँछ । आफन्तकोमा सहारा लिने बाँच्नको लागि विहान बेलुकको खाना टार्नको लागि घर या होटलमा विना शुल्क काम गर्न पनि बाध्य भएको पाइन्छ भने चरम गरिबिका कारण आफ्नै बाबुआमाले सिधै बालगृह, घर या होटलमा कार्य गर्न पठाउने गरेको पनि पाइन्छ । हाल बालबालिकाको बाँच्न पाउने नैसर्गिक अधिकार भन्ने नारा विश्व मा नै प्रसारित भई नेपालमा पनि यसको सरकारी तथा निजी क्षेत्रबाट कार्यान्वयन सुरु भएको पाइन्छ । त्यसमा पनि सामाजिक भावनाले खोलिएका सामाजिक संस्थाहरूबाट नै बढी मात्रामा बालबालिकाहरूको लागि संरक्षण एवम् सम्बद्धन गरी

उनीहरूको उचित आवास, शिक्षा, तालिम, रोजगारको व्यवस्था गर्नाले संरक्षित बालबालिकाहरू आफ्नो आश्रय पूर्वको दिनचर्यालाई सम्भी अन्य अलपत्र, अनाथ भएका बालकालिकाहरूलाई पनि निजी क्षेत्रका संघसंस्थाले भन्दा सरकारले नै उनीहरूको संरक्षण, सम्बद्धन एवम् रोजगारीको र्यारेन्टी गरिदिनुपर्ने तथ्य यस अध्ययनबाट पुष्टि हुन्छ ।

संरक्षित बालबालिकाहरूको अध्ययन पश्चात् बालबालिकाहरूको पारिवारिक आर्थिक वृद्धि, बालबच्चाहरूको अध्ययन, सिप, तालिम पश्चात् उनीहरूलाई पारिवारिक, आफ्ना नातागोता, इष्टमित्र, र अन्य संघसंस्थाको पहलमा पुनरस्थापित भएको पाउन सकिन्छ । पुर्नस्थापित बालबालिकाहरू मध्ये सबैभन्दाबढी कक्षा ५-१० सम्मका २७ जना एस.एल.सी.पास गरेका १४ जना, +२ पास हुने ७ जना र व्याचलर पास ३ जना रहेका पाइयो । उक्त पुर्नस्थापित बालबालिकाहरू सबैजसो आयमुलक कार्यमा लागेको पाइयो ।